युवा जागरण

कुलाधिपति की मौजूदगी में **सहमति पत्र** पर किए गए हस्ताक्षर

एमएमएमयूटी व ईडीआइआइ के बीच बनी सहमति

राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के समक्ष समझौता पत्र का आदान-प्रदान करते एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय व ईडीआइआइ अहमदाबाद के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ●सौ. एमएमएमयूटी

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर और इंटरप्रिन्योर्शिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (ईडीआइआइ) अहमदाबाद में अकादमिक सहयोग के लिए आपस में सहमति बनी है। यह सहमति कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को बनी। एमएमएमयूटी की ओर से कुलपति प्रो. जेपी पांडेय और ईडीआइआइ अहमदाबाद की तरफ से महानिदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

खुश खबर

- तीन वर्ष के लिए होगा दोनों संस्थाओं के बीच करार
- सहमति के तहत अकादमिक सहयोग करेंगे

यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है। इसके तहत ईडीआइआइ अहमदाबाद नवाचार/नवोन्मेष से संबंधित स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम डिजाइन करने एवं अध्यापन में एमएमएमयूटी की मदद करेगा। इसके अलावा ईडीआइआइ अहमदाबाद एमएमएमयूटी के विद्यार्थियों को स्टार्ट अप शुरू करने और चलाने में उनकी मदद करेगा। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान नवाचार/नवोन्मेष से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए एक-दूसरे के शिक्षकों को विजिटिंग फैकेल्टी के रूप में आमंत्रित कर सकेंगे। साथ ही ईडीआइआइ अहमदाबाद एमएमएमयूटी के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन एवं संचालित करने को भी राजी हुआ है।

इस समझौते के बाद दोनों संस्थानों के शिक्षक एक दूसरे के साथ संयुक्त रूप से शोध पत्रों आदि का प्रकाशन कर सकेंगे। इसके अलावा एमएमएमयूटी अपने एमबीए पाठ्यक्रम में नवाचार/नवोन्मेष से संबंधित डिग्री और बीटेक में एक डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करेगा। समझौते का मुख्य उद्देश्य पूर्वांचल विशेषकर गोरखपुर एवं आसपास के क्षेत्र में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इसके बाद दोनों संस्थान संयुक्त रूप से विभिन्न अकादमिक कार्यक्रम आदि का संचालन कर सकेंगे।

एक नजर में

...क्षण अभियान में सहयोग ...राजनीतिक दल

परीक्षा के दिन ही मिलेगा परिणाम

फीस बढ़ोतरी से नाराज

जागरण संवाददाता, गोरखपुरः दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में